श्री सतीश चन्द्र मिश्रा: सर, यह Council of States है, यहां हम स्टेट का इश्यू तो raise करेंगे ही! ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: Raise करेंगे, इस पर आपत्ति नहीं है, मगर यहां स्टेट रिप्लाई नहीं दे पाएगा। सुश्री सरोज पाण्डेय। ...**(व्यवधान)**... Please, when it comes to our States, you don't want it to be discussed; somebody says, like, why we are discussing it. My point is, you can raise, and we have to raise because the Rajya Sabha is the Council of States. But, at the same time, you cannot make allegations, and you don t get reply also.

Need to make Yoga education compulsory

सुश्री सरोज पाण्डेय (छत्तीसगढ़): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से शून्य काल में एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आप सबका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

हमारे देश की बहुत गौरवशाली संस्कृति रही है और इस गौरवशाली संस्कृति को हमने बहुत लम्बे समय तक सहेजकर रखा, लेकिन समय के साथ हम उसे धीरे-धीरे भूल गए। नरेन्द्र मोदी जी के देश का प्रधान मंत्री बनने के बाद, उन्होंने 11 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में 177 देशों के समक्ष योग को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर के रूप में बदलने की मांग की और संयुक्त राष्ट्र संघ से 90 दिनों में इसे मंजूरी मिली, जो भारत के लिए एक गौरव की बात है, क्योंकि मेरा ख्याल है कि सबसे कम समय में इस विषय को मंजूरी मिली है।

माननीय सभापति महोदय, मैं इस विषय पर यह कहना चाहती हूं कि योग जीवन का एक अनिवार्य अंग है, यह हमारे भारत की संस्कृति है। अभी का जीवन सभी के लिए आम दिनचर्या के हिसाब से बहुत संघर्षपूर्ण है और जब हमने पाश्चात्य संस्कृति को अपनाया, तो इस संघर्षपूर्ण जीवन में हमने योग को धीरे-धीरे भुला दिया। हमने योग को धीरे-धीरे भुला दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करना चाहती हूं कि योग को अनिवार्य शिक्षा में शामिल किया जाए, अगर बच्चों को कम उम्र से ही योग की शिक्षा मिलेगी तो आने वाले समय में, वे इस संघर्षपूर्ण जीवन का सामना बेहतरी से कर पाएंगे और उनके अच्छे व्यक्तित्व के रूप में उनका का विकास होगा। मैं इन्हीं शब्दों के साथ धन्यवाद करती हूं।

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

SHRI ASHWINI VAISHNAW (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Ms. Saroj Pandey.

SHRI G.V.L. NARASIMHA RAO (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Ms. Saroj Pandey.

MR. CHAIRMAN: All the people associating have to send a slip. Now, Shrimati Kahkashan Perween, not present. Dr. Satyanarayan Jatiya.